माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ...

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सीरियल क्रमांक 219- 5942983

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

1	9	2	4	6	0	6	1	0	7

शब्दों में

एक	नौ	दो	चार	छः	शून्य	छः	एक	शून्य	7

BOARD OF SECONDARY ... BHOPAL

		2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 1 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 17

ग :– परीक्षा का दिनांक 8 | 03 | 13

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S. 2013 केन्द्र क्रमांक 242..

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
S.K. Behre (हस्ताक्षर)	Vandana (हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
टी.बी. चौव्हान (व.अ.) शास.उ.मा.वि. भानेगाँव परीक्षक क्र.–781339	Smt. S. Uikey T.B.G.H.S. School Waraseoni V.No.-781338

P.C. SAHU (V.A.)
G.H.S.S. Rajegaon
V.No.-781336

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
2[illegible]		

... प्राप्तांक ...

(2) योग पूर्व पृष्ठ + =

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (1) का उत्तर -

(A) सड़क दुर्घटना

(B) 1962 ई. में

(C) प्राथमिक

(D) प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष दोनों

(E) राजस्थान में

S
E

प्रश्न क्र. (2) का उत्तर

(अ) वन सुरक्षा समितियों

(ब) मध्यप्रदेश

(स) बहादुरशाह जफर (द्वितीय)

(द) प्रारूप समिति

(इ) कार्ल मार्क्स

③ [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र. (3) का उत्तर -

(अ) भारतीय रैल्वे विश्व में अब चौथे नम्बर की रैल्वे प्रणाली हो गई है।

(ब) सर्वोच्च न्यायालय

(स) पार्षद

(द) जीवन प्रत्याशा

(इ) 24 दिसंबर

प्रश्न क्रमांक (4) का उत्तर -

(अ) असत्य

(ब) असत्य

(स) सत्य

(द) सत्य

(इ) सत्य

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक (5) का उत्तर-

(अ) (ब)

आकाशवाणी — 1957

स्वामी विवेकानंद — रामकृष्ण मिशन

चरण पादुका गोलीकांड — छतरपुर

परिवहन व संचार — तृतीयक क्षेत्र

सीमेन्ट का कारखाना — द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न क्रमांक (22) का उत्तर-(अथवा)

(i) फुहार — ●

(ii) ओला — △

(iii) कुहासा — ≡

(iv) धीर समीर — ⊥→

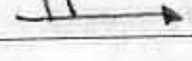

(v) झंझा ←////

प्रश्न क्रमांक (२८) का उत्तर-

भारत में बेरोजगारी को दूर करने के उपाय:-

जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण- भारत में बेरोजगारी को दूर करने के लिए जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ यह भी आवश्यक है। इससे श्रमिकों की पूर्ति दर में कमी आती है।

(2) लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास- इन उद्योगों में पूंजी निवेश नाममात्र का होता है तथा ये परिवार के सदस्यों द्वारा चलाए जाते हैं। इनके माध्यम से लोग घर बैठे आय प्राप्त कर सकते हैं। अतः इनका विकास किया जाना चाहिए।

(3) सहायक उद्योगों का विकास- कृषि के सहायक उद्योगों जैसे बागवानी, पशुपालन दुग्ध व्यवसाय, मुर्गीपालन आदि का विकास किया जाना चाहिए।

(4) व्यवसायिक शिक्षा- देश में शिक्षा प्रणाली पर्याप्त व्यवसायिक होनी चाहिए। हाईस्कूल पास करने के बाद छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार व्यवसायिक शिक्षा चुनने पर जोर दिया जाना चाहिए। इससे छात्र व्यवसाय से जुड़ सकेंगे और देश की बेरोजगारी

प्रश्न क्र. की समस्या हल हो जाएगी।

(5) ग्रामीण रोजगार योजनाओं का विस्तार

ग्रामीण रोजगार योजनाओं जैसे ग्रामीण रोजगार योजना, जवाहर रोजगार योजनाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। हरी क्षेत्रों में भी प्रधानमंत्री रोजगार योजना का विस्तार किया जाना चाहिए।

प्रश्न क्रमांक(25) का उत्तर-

लोकसभा अध्यक्ष के कार्य निम्नलिखित हैं-

1. सदन की कार्यवाही संचालित करना।
2. सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता करना।
3. सदन में शांति व्यवस्था स्थापित करना।
4. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका निर्धारण करना।
5. लोकसभा की समितियों का गठन करना।
6. लोकसभा के सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करना।
7. लोकसभा में किसी विषय पर होने वाले विचार - विमर्श के लिए समय निर्धारित करना।

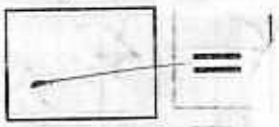

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक (24) का (अथवा) उत्तर-

व्यवस्थापिका के कार्य-

1. कानून बनाना- देश के शासन को संचालित करने के लिए कानून के निर्माण का कार्य व्यवस्थापिका करती है।

(2) प्रशासनिक नियंत्रण- व्यवस्थापिका कार्यपालिका पर नियंत्रण रखती है। संघात्मक शासन प्रणाली में कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है। इस प्रकार व्यवस्थापिका प्रशासनिक नियंत्रण का कार्य करती है।

B S E

~~वित्त संबंधी कार्य-~~

(3) निर्वाचन संबंधी कार्य- व्यवस्थापिका निर्वाचन से संबंधित कार्य भी करती है। भारत में राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मण्डल द्वारा किया जाता है जिसमें व्यवस्थापिका के दोनों सदन होते हैं तथा राज्य की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य भी होते हैं।

(4) न्याय संबंधी कार्य- व्यवस्थापिका न्याय संबंधी कार्य भी करती है। भारत में राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा व्यवस्थापिका ही हटा सकती है।

क्र.

(5) राज्य व शासन की नीति का निर्धारण -

व्यवस्थापिका राज्य को दिशा देने के लिए नीतियों का निर्धारण करती है।

इसके अतिरिक्त व्यवस्थापिका वित्त संबंधी कार्य भी करती है।

(6) संविधान में संशोधन - संविधान में यदि संशोधन करना आवश्यक होता है तो यह कार्य व्यवस्थापिका द्वारा किया जाता है।

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर (अथवा)

भारतीय प्रजातंत्र की सफलता में बाधक तत्व-

1. गरीबी, बेरोजगारी में वृद्धि- आज देश की २६% से अधिक जनसंख्या गरीबी का जीवन यापन कर रही है। देश में करोड़ो लोगों को नियमित रोजगार नहीं है। नागरिकों के इसी बड़े वर्ग के कारण प्रजातंत्र के संचालन में बाधा आती है।

(2) जातीयता, क्षेत्रीयता, भाषायी समस्याएँ-

भारत के सभी नागरिकों को स्वतंत्रता व समानता का अधिक दिया गया है। लेकिन देश में प्रचलित जातिवाद, क्षेत्रवाद तथा भाषागत समस्याएँ प्रजातंत्र के सफल क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करती है।

(3) निरक्षता- लोकतंत्र का सफल रूप से संचालित होना नागरिकों की शिक्षा पर निर्भर करता है। स्त्री एवं पुरुषो के समान राजनैतिक अधिकार होते हुए राजनैतिक जागरूकता का अभाव है। राजनैतिक जागरूकता का अभाव लोकतंत्र की प्रमुख बाधा है।

4. सामाजिक कुरीतियाँ- भारतीय समाज एक परंपरागत समाज है। यहाँ विभिन्न की सामाजिक कुरीतियाँ है जैसे छुआछूत की भावना। ये सामाजिक कुरीतियाँ लोकतंत्र को जीवन का अभिन्न अंग नहीं बनने दे रहे हैं।

5. संचार के साधनों की भूमिका- संचार के साधन देश के नागरिकों सरकार के मध्य घनिष्ठ नाता बनाते हैं। रकार द्वारा जनकल्याण के लिए अनेक ीजनाऐं चलाई जाती है। लेकिन संचार साधनों इनका प्रचार केवल व्यवसायिक ाधार पर करते हैं जबकि शासन की सकरात्मक भूमिका में इनका कोई आकर्षण नहीं होता। देश में संचार के साधनों की भूमिका उतनी सकरात्मक नहीं है जितना होना चाहिए।

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक(२०) का उत्तर-

राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार-

1. देश में सशस्त्र विद्रोह, बाहरी आक्रमण, राज्य में संवैधानिक व्यवस्था विफल होने पर ~~ख~~ राष्ट्रपति ~~आपात~~ आपातकाल लगा सकते हैं। इसके लिए केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की लिखित अनुशंसा आवश्यकता होती है। तथा सदन के दोनों सदनों की 2 माह की भीतर पुष्टी आवश्यक होती है।

B

S(2) राज्यपाल के प्रतिवेदन से या किसी अन्य तरीके से यदि राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि राज्य में संवैधानिक व्यवस्थाओं के अनुकूल शासन संचालित नहीं हो रहा है तो राष्ट्रपति उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं। इस स्थिति में राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।

E

(3) राष्ट्रपति को यदि यह विश्वास हो जाता है कि देश में गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न होने वाला है तो राष्ट्रपति आर्थिक आपातकाल लगा सकते हैं।

प्रश्न क्रमांक (20) का उत्तर -

सविनय अवज्ञा आंदोलन के चलाए जाने के कारण-

कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आंदोलन की स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रश्न क्रमांक (21) का उत्तर-

सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिए किए प्रयास -

(1) केन्द्रीय वनआयोगकीस्थापना - सरकार ने केन्द्रीय वन आयोग की स्थापना सन 1965 में की। इसका कार्य आँकड़े व सूचनाएँ एकत्रित करना, बाजारों का अध्ययन करना आदि है।

(2) सरकार ने भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान की स्थापना सन 1971 में की। इसका कार्य वनों में क्या-क्या वस्तुएँ उपलब्ध हैं उनका पता लगाना है।

(3) सामाजिक वानिकी योजना - विश्व बैंक की सहायता से शुरू की गई यह योजना में चल वानिकी, विस्तार वानिकी, शहरी वानिकी के अंतर्गत वृक्ष सड़को, रेल्वे लाइनों के किनारे वृक्षारोपण किया जाता है।

प्रश्न क्र.

(1) वन महोत्सव - भारत के तत्कालीन कृषि मंत्री के. एम. मुंशी ने सन् 1950 में वन महोत्सव 'अधिक वृक्ष लगाओ आंदोलन प्रारंभ किया।'

प्रश्न क्रमांक (19) का उत्तर -

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय :-

1. जनसंख्या वृद्धि के रोकने के लिए शिक्षा का प्रसार किया जाना चाहिए तथा स्त्री-शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

(2) दो बच्चों के मानक को अनिवार्य कर देना चाहिए तथा कम आयु में विवाह होने को रोकना चाहिए।

) स्त्रियों की सामाजिक स्थिति में सुधार लाना चाहिए तथा लड़का - लड़की के भेद को समाप्त करना चाहिए।

(1) बुनियादी प्रजनन सुविधाओं पर और अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। तथा सामाजिक संस्थाओं को परिवार नियोजन कार्यक्रम से जोड़ना चाहिए।

BSE

प्रश्न क्रमांक (18) का उत्तर (अथवा)

भारत स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग की दिशा में प्रयासरत रहा है। परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना तथा परमाणु ऊर्जा अधिनियम इसके कुछ प्रारंभिक कदम रहे हैं। वर्तमान में भारत में परमाणु केन्द्रों जैसे तारापुर (महाराष्ट्र) नरौरा (उत्तरप्रदेश) काकरापार (गुजरात) की स्थापना हो चुकी है। सन 1974 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण किया।

परमाणु प्रक्षेपास्त्रों के विकास के बाद भारत की परमाणु नीति में प्रमुख परिवर्तन आया। भारत ने जिन प्रक्षेपास्त्रों का विकास किया वे 'पृथ्वी', 'त्रिशूल', 'नाग', 'आकाश' है। मई 1998 में भारत ने पोखरण में भूमिगत परमाणु परीक्षण किए परमाणु क्षमता विकसित हो जाने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने कहा कि 'अब हम बड़े परमाणु की क्षमता वाले देश बन गए हैं।' भारत के पूर्व पाँच देश – अमेरिका, फ्रांस, जापान, ब्रिटेन, रूस परमाणु शक्ति से विकसित देश बन गए लेकिन भारत भी अब इनमें शामिल हो गया है। इस प्रकार भारत में आण्विक शक्ति का विकास हुआ।

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र...

भारतीय संविधान की विशेषताएँ-

(1) लिखित व विस्तृत संविधान- भारत का संविधान लिखित व निर्मित संविधान है इसका निर्माण एक विधिवत गठित संविधान सभा द्वारा किया गया है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है।

(2) मूल अधिकार- भारत के संविधान मे भारत के प्रत्येक नागरिक के सर्वांगीण विकास हेतु मूल अधिकारो का प्रावधान किया गया है। भारत के प्रत्येक नागरिक को छः मूल अधिकार दिए गए है।

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार- भारत के संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया गया है। इसका आशय भारत के प्रत्येक नागरिक को एक निश्चित आयु (18 वर्ष) में वोट देने के अधिकार से है।

राज्य के नीति निर्देशक तत्व- संविधान मे राज्य के संविधान को शासन को संचालित करने हेतु मूलभूत सिद्धांतों का वर्णन किया गया है जिन्हें राज्य के नीति निर्देशक तत्व कहते हैं।

de'Smat.

प्रश्न क्रमां० ७(ब) का उ०

पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की विशेषताएँ -

(1.) उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्व - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली में उत्पत्ति के सभी साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है।

~~(2) लाभ की भावना - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली में पूँजीवादी आर्थिक~~

(2) ला[illegible] भावना - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली मे लाभ की भावना का सर्वोच्च स्थान [illegible]ता है। इसमें सभी आर्थिक गतिविधियाँ लाभ के आधार पर संचालित होती है।

[illegible] यंत्र - इस प्रणाली में मूल्य ~~एवं~~ यंत्र क्रियाशील रहता है। मूल्य यंत्र से आशय अर्थव्यवस्था में विद्यमान माँग व पूर्ति की शक्तियों से है।

(4) शोषण पर आधारित - इसमें पूँजीपति वर्ग तथा श्रमिक वर्ग होते हैं। पूँजीपति वर्ग श्रमिकों को कम मजदूरी देकर उनका शोषण करते हैं। यह आर्थिक प्रणाली शोषण पर आधारित होती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक ७(5) का उत्तर (अथवा)

~~समाज~~

समाजवादी अर्थव्यवस्था के चार गुण-

(1) शोषण की समाप्ति- इस आर्थिक प्रणाली में उत्पादन तथा वितरण पर सरकार का अधिकार होता है। फलतः इसमें शोषण का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। श्रमिकों को उनके श्रम का समुचित प्रतिफल दिया जाता है।

B
S
E

(2) सामाजिक सुरक्षा- इसमें सरकार के द्वारा सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। वृद्धावस्था पेंशन, बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था सरकार करती है।

(3) ... र की प्राप्ति- इसमें सरकार श्रमिकों को उनकी योग्यता व दक्षता के अनुसार काम देती है। उनके श्रम का उचित प्रतिफल दिया जाता है।

) संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग- इस प्रणाली में संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग संभव होता है। इसमें सरकार नियोजन द्वारा संसाधनों को कम उत्पादकता वाले क्षेत्र से अधिक उत्पादकता वाले क्षेत्र में लाने का प्रयास करती है।

योग

Laser/Inkjet/copier Labels A 4ST-16 99.1 X 33.9 mm X 16

मध्यप्रदेश

क्र. प्रश्न क्रमांक (14) का उत्तर (भाग)

परिवहन के साधन आधुनिक औद्योगिक समाज के लिए आवश्यक आवश्यकता बन गए हैं। परिवहन के साधन मानवसभ्यता के पथ प्रदर्शक है।

(1) परिवहन के साधन के माध्यम से मानव की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

(2) ये साधन प्राकृतिक आपदाओं जैसे - बाढ़, अतिवृष्टि, अकाल के समय सहायक होते है।

(3) ये मानव के अमूल्य समय की बचत करते है। इनके कारण आज दुनिया बहुत छोटी हो गई है।

ये साधन राष्ट्रीय प्रगति व समृद्धि के सूचक है।

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर-

8 सन 1920 में असहयोग आंदोलन के नाम से एक नया कार्यक्रम अपनाया गया। जलियावाला बाग हत्याकांड, रौलेक्ट एक्ट का विरोध, स्वराज्य की प्राप्ति असहयोग आंदोलन के प्रमुख लक्ष्य थे। इस आंदोलन के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं-

विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना।

ब्रिटिश सरकार के करो को न चुकाना।

वकीलों द्वारा न्यायालयों का बहिष्कार करना।

सरकारी शिक्षण संस्थाओं का बहिष्कार करना।

प्रश्न क्र.

क्रमांक (14) का उत्तर -

भारतीय शासकों में असंतोष के कारण -

(1) अंग्रेजी की राज्य विस्तारनीति के कारण भारतीय शासकों में व्यापक असंतोष उत्पन्न हुआ।

(2) लार्ड डलहौजी की हड़प नीति भी भारतीय शासकों के असंतोष का प्रमुख कारण थी। इसमें देशी रियासतों के संतानहीन शासकों को गोद लेने के अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

(3) लार्ड वेलेजली की सहायक संधि व्यवस्था भी भारतीय शासकों के असंतोष कारण बनी। इसे जो भारतीय नरेश स्वीकार करते थे उन्हें अंग्रेजों के संरक्षण में रहकर कार्य करना पड़ता

BSE

2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
सामाजिक विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	08 03 19

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

119- 108

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

9	2	4	6	0	6	1	0	X

शब्दों में

एक	नौ	दो	चार	छः	शून्य	छः	एक	शून्य	x

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

H.S. केन्द्राध्यक्ष 242012

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

Neelam Patel
Neelam

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

Vandana

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक.........

प्रश्न क्रमांक

मानव जीवन में मृदा का महत्व -

मानव जीवन में मृदा का बहुत महत्व है। विशेषकर किसानों के लिए। मानव प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपने भोजन के लिए मृदा पर ही निर्भर रहता है। हमारे वस्त्र हमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मृदा से ही मिलते हैं। इसके अधिकार भारत में लाखों घर मिट्टी के बने हुए हैं। मृदा में ही विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे उगते हैं जिनके माध्यम से मानव भोजन के साथ-साथ प्राणवायु 'ऑक्सीजन' प्राप्त करता है। मृदा हमारे पशुपालन कृषि, उद्योग का आधार है। इस प्रकार मानव जीवन में मृदा का महत्वपूर्ण स्थान है।

अंकों का योग

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (10) का उत्तर-

वर्तमान युग में उत्पादक हर संभव तरीके से उपभोक्ताओं का शोषण करते है।

उपभोक्ता शोषण से आशय है कि उपभोक्ताओं वस्तुओं का कम वजन तौलना, खराब वस्तुएँ बेचना, अधिक कीमत वसूलना, भ्रमित विज्ञापन देकर उन्हें गुमराह करना इत्यादि।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर-

बाढ़ नियंत्रण के उपाय-

(1) नदियों के ऊपरी जल संग्रहण क्षेत्रों में वृक्षारोपण करना तथा वृक्षों की कटाई रोकना।

(2) तटबन्धों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना।

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर - (अथवा)

एकाधिकार - एकाधिकार से आशय है कि किसी वस्तु के उत्पादन, वितरण पर किसी एक व्यक्ति, अथवा

~~एकाधिकार~~

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर -

लार्ड कर्जन ने शासन की फूट डालो राज्य करो की नीति अपनाई। ~~इसमें~~ उसने इस नीति का अनुसरण करते हुए ल को दो भागों में विभाजित दिया और वहां की एकता को ने का प्रयास किया।

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर -

उपभोक्ता के कर्तव्य -

उपभोक्ता को बिल, रसीद, गारंटी कार्ड लेना चाहिए तथा उन्हें संभाल कर रखना चाहिए।

(2) मानकीकृत वस्तुओं को खरीदना। हॉलमार्क, एगमार्क, वूल मार्क, जैसी लगी वस्तुएं मानकीकृत होती।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर-

ऊर्जा के परम्परागत साधन - कोयला, खनिज तैल, प्राकृतिक गैस, विद्युत।

ऊर्जा के गैर परम्परागत साधन - सौर ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जैविक ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि।